भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.02.2020 के

अतारांकित प्रश्न सं. 490 का उत्तर

रेलवे की संगठनात्मक पुनर्संरचना

490. श्रीमती संगीता कुमारी सिंह देवः
डॉ. वेंकटेश नेता बोरलाकुंताः
श्री असादुद्दीन ओवैसीः
श्री सय्यद ईमत्याज ज़लीलः
श्री विनोद कुमार सोनकरः
श्री राजा अमरेश्वर नाईकः
डॉ. जयंत कुमार रायः
डॉ. सुकान्त मजूमदारः
श्री भोला सिंहः
श्री कोथा प्रभाकर रेड्डीः

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने भारतीय रेलवे की संगठनात्मक पुनर्संरचना की स्वीकृति दी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है तथा इसकी प्रविधियां और समय-सीमा क्या है;

(ख) क्या रेलवे ने प्रोन्नति के लिए वरिष्ठता के स्थान पर कार्यनिष्पादन का मानदंड रखा है और यदि हां, तो क्या भारतीय रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी इस निर्णय से खुश नहीं हैं;

(ग) क्या सरकार समूह-'क' की आठ सेवाओं का विलय करके भारतीय रेल प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) का गठन करने की प्रक्रिया में है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार आईआरएमएस के अधिकारियों की भर्ती के लिए एक विशेष परीक्षा आयोजित करने की योजना बना रही है और यदि हां तो, तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

Sk

(ङ) भारतीय रेलवे के निगमतीकरण का यह कदम किस हद तक सेवाओं, वित्त, मानव संसाधनों और व्यय के कुशल प्रबंधन में सहायक होगा और इस पूरी प्रक्रिया को कब तक पूरा किया जाएगा; और

(च) भारतीय रेलवे प्रणालियों और सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाए जा रहे हैं?

उत्तर

रेल और वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री (श्री पीयूष गोयल)

(क) से (घ): अन्य बातों के साथ-साथ, मंत्रिमंडल ने भारतीय रेलवे प्रबंधन सेवा (आईआरएमएस) नामक नई समूह 'क' केन्द्रीय सेवा के सृजन, मौजूदा 8 संगठित सेवाओं का आईआरएमएस में विलय करने और रेलवे बोर्ड का पुनर्गठन किए जाने की स्वीकृति दी है। इसके तौर-तरीकों को कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) के परामर्श और वैकल्पिक तंत्र की स्वीकृति पर अंतिम रूप दिया जाएगा।

(ङ): आधुनिक सवारीडिब्बा कारखाना (एमसीएफ), रायबरेली से शुरू करते हुए भारतीय रेल की उत्पादन इकाइयों के निगमीकरण की योजना बनाई गई है। इससे निम्नानुसार लाभ प्राप्त होने की संभावना है:

(i) अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी और आधुनिकीकरण
(ii) प्रबंधकीय स्वायत्तता
(iii) बेहतर प्रबंधन पद्धतियों के कारण सर्वोत्तम परिचालनिक कुशलता
(iv) निर्यात क्षमता
(v) एमएसएमई व्यापार में वृद्धि
(vi) रोजगार सृजन
(vii) कर्मचारियों को बेहतर लाभ
(viii) भारत को चल स्टॉक विनिर्माण हेतु अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र बनाना
(ix) निवेश को आकर्षित बनाना

इस स्तर पर, उत्पादन इकाइयों के निगमीकरण हेतु उनके निगमीकरण के ढांचे को अंतिम रूप दिए जाने से पूर्व, कोई समय सीमा निर्धारित नहीं की जा सकती।

Sk

(च): अन्य बातों के साथ-साथ, भारतीय रेल में सुधार करने के लिए उठाए गए उपायों में रेलवे बोर्ड का पुनर्गठन, अधिकारियों की नई एकल समूह 'क' सेवा का सृजन, निष्पादन में सक्षम बनाने के लिए फील्ड इकाइयों को प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियां प्रत्यायोजित करना, आधुनिकीकरण और नई प्रौद्योगिकी का आगमन शामिल है।

******

Sk